
आदर्श प्रश्न- पत्र - 1
संकलित परीक्षा - I
विषय - हिंदी 'अ'
कक्षा - नवमी

निर्धारित समय: 3 घण्टे

अधिकतम अंक: 90

निर्देश:

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं -
खंड क- 20 अंक
खंड ख- 15 अंक
खंड ग - 35 अंक
खंड घ - 20 अंक
 2. चारो खंडो के प्रश्नो के उत्तर देना अनिवार्य है।
-

खंड-क

(अपठित गद्यांश)

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नों के उत्तर के विकल्प छाँटकर लिखिए -

कबीर एक बहुत बड़े संत थे जिनके पद आज भी देश भर में बड़े चाव से गाए जाते हैं । कवि ने कहा है कि ईश्वर एक है भले ही हम उसकी पूजा अल्लाह के रूप में करें या धाम के रूप में उन्होंने कहा है कि यदि मन में सच्ची भक्ति नहीं है तो उपवास करना याद तस्वी पढ़ना माला जपना बेकार है इसी तरह इस वर्ष को पत्थर की मूर्ति में या धर्म ग्रंथों में ढूँढना बेकार है जिसके हृदय में सच्चा प्रेम है उसके हृदय में ईश्वर बसता है हिंदू और मुसलमान हजारों की संख्या में कबीर के भक्त बने हैं जिस समय उनकी मृत्यु हुई हिंदू और मुसलमानों ने उनके सबके लिए झगड़ना शुरू की वह हिंदू चाहते थे कि उनका दाह संस्कार करें और मुसलमान चाहते थे कि वह शौक को धमकाने कहते हैं कि आखिर जब उनके शौक पर इसे चालू उठाई गई तब वहां सब के स्थान पर गुलाब की पंखुड़ियों का ढेर मिला जिसे हिंदू और मुसलमानों ने बांट लिया आज भी बहुत से लोग कबीर कामत मानते हैं उन्हें कबीरपंथी कहते हैं ।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनिए ।

(क) माला जपना या उपवास करना व्यर्थ है?

- (i) जब मन में सच्ची भक्ति नहीं हो
- (ii) जब अत्यंत धन हो
- (iii) जब आप ज्यादा बुद्धिमान हो
- (iv) जब आपके सामने भगवान खड़े हो

(ख) कबीर के अनुसार ईश्वर कहाँ बसता है ।

- (i) देवालय में
 - (ii) सच्चे प्रेमयुक्त हृदय में
 - (iii) अच्छी प्रकृति प्रदत्त गुफाओं में
 - (iv) आसमान में
-

(ग) कबीर के अनुयायियों को क्या कहते हैं ।

- (i) कबीरभक्त
- (ii) कबीरमय
- (iii) कबीरपंथी
- (iv) कबीरदासी

(घ) कबीर की मृत्यु पर हिंदू मुस्लिम आपस में क्यों झगड़ पड़े?

- (i) क्योंकि दोनों एक-दूसरे के विरोधी थे
- (ii) क्योंकि कबीर मुस्लिम थे और हिंदू उन्हें दफनाना चाहते थे
- (iii) क्योंकि कबीर मुस्लिम धर्म को संरक्षण देते थे
- (iv) दोनों धर्मों के अनुयाई अपनी-अपनी रीति से कबीर का अंतिम संस्कार करना चाहते थे ।

(ङ.) उपर्युक्त गद्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक विकल्पों में से चुनें ।

- (i) कबीर पंथी
- (ii) कबीर राज
- (iii) कबीर
- (iv) कबीर वाणी

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प छाँटकर खिए-

राजा दशरथ यशस्वी थे । उन्हें किसी चीज की कमी नहीं थी। राज सुख था । कमी होने का प्रश्न ही नहीं था । लेकिन उन्हें एक दुःख था । छोटा सा दुःख । मन के एक कोने में छिपा हुआ । वह रह-रहकर उभर आता था । उन्हें सालता रहता था । उनके कोई संतान नहीं थी । आयु लगातार बढ़ती जा रही थी । उनकी तीन रानियां थी- कौशल्या, सुमित्रा और कैकेयी । रानियों के मन में भी बस यही एक दुख था । संतान की कमी । जीवन सूना-सूना लगता था । राजा दशरथ से रानियों की बातचीत प्रायः इसी विषय पर आकर रुक जाती थी । राजा दशरथ की चिंता बढ़ती जा रही थी । बहुत सोच विचार कर महाराज दशरथ ने इस संबंध में वशिष्ठ मुनि से चर्चा की । उन्हें पूरी बात विस्तार से बताई । रघुकुल के अगले उत्तराधिकारी के बारे में अपनी चिंता बताई । मुनि वशिष्ठ राजा दशरथ की चिंता समझते थे । उन्होंने दशरथ को यज्ञ करने की सलाह दी । पुत्रेष्टि यज्ञ । महर्षि ने कहा, “आप पुत्रेष्टि यज्ञ करें, महाराज ! आपकी इच्छा अवश्य पूरी होगी ।”

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनिए ।

(क) राजा दशरथ के दुःख का क्या कारण था?

- (i) संतानहीनता
- (ii) रानियों का व्यवहार
- (iii) पड़ोसी राजाओं की चुनौती
- (iv) धन की कमी

(ख) रानियों से दशरथ की बातचीत प्रायः किस विषय पर आकर रुक जाती थी?

- (i) रजकाज के विषय पर
- (ii) धार्मिक विषयों पर
- (iii) संतान के विषय पर
- (iv) आर्थिक विषयों पर

(ग) राजा दशरथ ने अपनी चिंता किससे व्यक्त की?

-
- (i) अपनी रानियों से
 - (ii) अपने मंत्रीपरिषद से
 - (iii) ऋष्यश्रंग से
 - (iv) मुनि वशिष्ठ से

(घ) गुरु वशिष्ठ ने दशरथ को पुत्र प्राप्ति के लिए कौन-सा मार्ग बताया?

- (i) किसी अनाथ बालक को गोद लेने का
- (ii) पुत्रेष्टि यज्ञ करने का
- (iii) तपस्या करने का
- (iv) अन्य विवाह कर लेने का

(ङ) उपरोक्त गद्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक निम्नलिखित में से कौन-सा है?

- (i) राजा दशरथ
- (ii) राजा दशरथ की चिंता
- (iii) पुत्रेष्टि यज्ञ
- (iv) उत्तराधिकारी की खोज

3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नों के उत्तरों में से सही विकल्प छांटकर लिखिए।

हारा हूँ सौ बार

गुनाहों से लड़ लड़ कर

लेकिन बारंबार लड़ा हूँ

मैं उठ-उठ कर,

इससे मेरा हर गुनाह भी मुझसे हरा

मैंने अपने जीवन को इस तरह उबारा

डूबा हूँ हर रोज किनारे तक आ-आकर,

लेकिन मैं हर रोज

उगाहूँ जैसे दिनकर,

इससे मेरी असफलता भी मुझसे हारी

मैं ने अपनी सुंदरता इस तरह सवारी

उपर्युक्त काव्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनें ।

(क) कवि अपने हर गुनाह को कैसे जीत पाया ?

- (i) निरंतर संघर्ष करते हुए
- (ii) हथियारों से लड़ते हुए
- (iii) लोगों को डरा-धमका कर
- (iv) लोगों से राय लेकर

(ख) 'डूबा हूँ हर रोज किनारे तक आ-आकर' अंश का क्या आशय है?

- (i) नहाते समय पानी में डूब जाना
 - (ii) उद्देश्य प्राप्त न कर पाना
 - (iii) लक्ष्य के पास पहुंच कर भी उसे प्राप्त ना कर पाना
 - (iv) प्राप्त सफलता का हाथ से खिसक जाना
-

(ग) 'लेकिन मैं हर रोज उगा हूँ जैसे दिनकर', पंक्तियों में कौन-सा अलंकार निहित है?

- (i) यमक अलंकार
- (ii) श्लेष अलंकार
- (iii) उपमा अलंकार
- (iv) रूपक अलंकार

(घ) अंत में कवि ने किसे हरा दिया?

- (i) कष्टदायी रोगों को
- (ii) दिनकर को
- (iii) सुंदरता को
- (iv) जीवन की असफलताओं को

(ङ) इस कविता का मुख्य संदेश क्या है?

- (i) निराशावादी बनना
- (ii) आशावादी बनना
- (iii) देशभक्त बनना
- (iv) आलसी बनना

4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नों के उत्तरों में से सही विकल्प छांटकर लिखिए।

वह पावस का प्रथम दिवस जब,
पहली बूंद धरा पर आई |
अंकुर फूट पड़ा धरती से,
नवजीवन की ले अँगड़ाई |
धरती के सूखे अधरों पर,
गिरी बूँदअमृत सी आकर |
वसुंधरा की रोमावली सी,
हरी दूब पुलकी-मुसकाई |
पहली बूँद धरा पर आई |
आसमान में उड़ता सागर,
लगा बिजलियों के स्वर्णिम पर
बजानगाड़े की स्वर्णिम पर |
बादल धरती की तरुणाई |
पहली बूँद धरा पर आई |

उपर्युक्त काव्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनें।

(क) प्रस्तुत काव्यांश में किस ऋतु का वर्णन है।

- (i) गर्मी का
- (ii) वर्षा ऋतु का
- (iii) सर्दी का
- (iv) शीत ऋतु का

(ख) वर्षा की पहली बूँद की बीज पर क्या प्रतिक्रिया हुई?

-
- (i) बीज से अंकुर फूट पड़ा
 - (ii) बीज धरती में दब गए
 - (iii) बीज सड़ गये
 - (iv) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(ग) 'आसमान में उड़ता सागर' का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

- (i) जमीन से आसमान तक सागर की लहरें उठ रही हैं
- (ii) सागर पंख लगाकर उड़ रहा है
- (iii) आसमान से सागर को उपर बुला लिया है
- (iv) आसमान में पानी भरे बादल हैं

(घ) धरती की तरुणाई कौन जगा रहा है?

- (i) हरी दूब
- (ii) बादल
- (iii) सागर
- (iv) अंकुर

(ङ) 'गिरी बूंद अमृत-सी आकर' में कौन सा अलंकार है?

- (i) रूपक
- (ii) उत्प्रेक्षा
- (iii) उपमा
- (iv) यमक

खण्ड - ख

(व्याकरण)

5. निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त उपसर्ग चुनकर लिखें।

- (क) अनपढ़ ।
- (ख) अकथनीय ।
- (ग) सज्जन
- (घ) स्वजन।

6. निम्नलिखित शब्द किस समास से संबंधित है?

- (क) प्रत्यक्ष
- (ख) पिता-माता
- (ग) चंद्रशेखर
- (घ) शताब्दी

7. निम्नलिखित के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए --

दिनेश अंग्रेजी पढ़ता है । वाक्य को संकेतवाचक में परिवर्तित कीजिए ।
निधि सेब खाओ । वाक्य को विस्मयवाचक में परिवर्तित कीजिए ।
गीता बाजार गई है । वाक्य को निषेधवाचक में परिवर्तित कीजिए ।

8. काव्यांश पढ़कर उसमें निहित रस पहचानकर लिखिए:

निम्नलिखितप्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

- (क) 'पानी गयै न उबरै मोती मानुष चुन, काव्य पंक्ति किस अलंकार का उदाहरण है ?
- (ख) 'हे उत्तर के धन ! रहो तुम उत्तरा के पास ही' पंक्ति किस अलंकार से संबंधित है ?
- (ग) 'कनक-कनक ते सौ गुनी, मादकता अधिकाय' काव्य पंक्ति किस अलंकार से संबंधित है ?
- (घ) 'मुख मयंक सम मंजु मनोहरा' किस अलंकार का उदाहरण है ?

खण्ड - ग

(पाठ्य-पुस्तक)

9. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

संध्या समय दोनों बैल अपने नए स्थान पर पहुँचे। दिन-भर के भूखे थे, लेकिन जब नाँद में लगाए गए, तो एक ने भी उसमें मुँह न डाला। दिलभारी हो रहा था। जिसे उन्होंने अपना घर समझ रखा था, वह आज उनसे छुट गया था। नया घर, नया गाँव, नए आदमी, उन्हें बेगानों से लगते थे। दोनों ने अपनी मूक भाषा में सलाह की, एक-दूसरे को कनखियों से देखा और लेट गए। जब गाँव में सोता पड़ गया, तो दोनों ने जोर मारकर पगहे तुड़ा डालें और घर की तरफ चले। पगहे बहुत मजबूत थे। अनुमान ना हो सकता था कि कोई बैल उन्हें तोड़ सकेगा; पर इन दोनों में इस समय दूनीशक्ति आ गई थी। एक-एक झटके में रस्सियाँ टूट गई।

- (क) बैलों के लिए नया स्थान कौन-सा था? उन्होंने वहाँ नाँद में मुँह क्यों नहीं डाला?
- (ख) 'दिल भारी होना' मुहावरे का क्या अर्थ है?
- (ग) गाँव में सोता पड़ने पर बैलों ने क्या किया तथा क्यों?

10. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए-

- (क) छोटी बच्ची को बैलों के प्रति प्रेम क्यों उमड़ आया?
- (ख) उस समय के तिब्बत में हथियार का कानून न रहने के कारण यात्रियों को किस प्रकार का भय बना रहता था?
- (ग) उपभोक्तावाद की संस्कृति में उत्पादक लोगों को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए क्या-क्या कर रहे हैं?
- (घ) ददियल व्यक्ति को देख कर किस अंतर्ज्ञान से दोनों बैलों के दिल काँप उठे?
- (ङ) लङ्कोर मार्ग में लेखक अपने साथियों से क्यों पिछड़ गया?

11. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

मोकोँ कहाँ ढूँढ़े बंदे, मैं तो तेरे पास मैं।
ना मैं देवल ना मैं मसजिद, ना काबे कैलास मैं।
ना तो कौने क्रिया-कर्म मैं, नहीं योग बैराग मैं।
खोजी होय तो तुरतै मिलिहीं, पल भर की तालास मैं।
कहैं कबीर सुनो भई साधो, सब सवाँसो की स्वाँसमें॥

(क) काव्यांश में 'मोकोँ' किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

(ख) काव्यांश का शिल्प सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

(ग) काव्यांश का भावार्थ अपने शब्दों में लिखे।

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर- संक्षेप में लिखिए:

-
- (क) कवि ने सच्ची प्रेमिन की क्या कसौटी बताई है?
- (ख) कवयित्री द्वारा मुक्ति के लिए किए जाने वाले प्रयास व्यर्थ क्यों हो रहे हैं?
- (ग) कवि रसखान का ब्रज के वन, बाग और तालाब को निहारने के पीछे क्या कारण है?
- (घ) कवि ने कोकिल के बोलने के किन कारणों की संभावना बताई?
- (इ) 'ग्राम श्री' कविता में किस मौसम सौंदर्य का वर्णन है?

13. 'इस जल प्रलय में' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि कुछ लोग अत्यंत नाजुक घड़ी में भी संवेदनशील बने रहते हैं। उसका समाज पर क्या प्रभाव पड़ता है?

खण्ड-घ

('लेखन')

14. दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए -

पश्चिम की ओर बढ़ते कदम

संकेत बिंदु:

- पश्चिम की चमक-धमक
- आकर्षण के कारण
- बचाव

15. अपने नगर के स्वास्थ्य अधिकारी को एक पत्र लिखिए जिसमें नगर में बिकने वाले खाने-पीने पदार्थों में मिलावट और सफाई न होने की शिकायत की गई हो।

16. कमरतोड़ महँगाई और बढ़ती कीमतों पर एक प्रतिवेदन तैयार कीजिए।
